चाइना+1 रणनीति के तहत वैश्विक निवेश आकर्षित करने के लिए इन्वेस्ट उत्तर प्रदेशअमेरिका और यूके में करेगा रोड शो और

- ***उत्तर प्रदेश में निवेश की बड़ी पहल : 'चाइना+1' रणनीति से बनेगा प्रदेश बनेगा ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब***

- ***निवेश अनुकूल नीतियों, प्रोत्साहनों और मजबूत अवस्थापना के बल पर उत्तर प्रदेशबन रहा है ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब***

लखनऊ, 4 जुलाई 2025: माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश को $1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक औद्योगिक शक्ति बनाने के विजन के अनुरूप राज्य की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी, इन्वेस्ट यूपी ने अब *चाइना+1 रणनीति*पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है, ताकि चीन के विकल्प की तलाश कर रही वैश्विक विनिर्माण कंपनियों को प्रदेश में आकर्षित किया जा सके।

भूराजनीतिक तनावों (जियोपॉलेटिकल टेंशन) और वैश्विक सप्लाई चेन में बदलावों के बीच, उत्तर प्रदेश खुद को उच्च मूल्य वाले उद्योगों के लिए एक प्रतिस्पर्धी गंतव्य के रूप में स्थापित कर रहा है। उत्तर प्रदेश के लिए एक रणनीतिक अवसर है, जिससे वह वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देशों के समकक्ष, एक भरोसेमंद और लागत प्रभावी विनिर्माण स्थल बनकर उभर सकता है।

इस पहल के अंतर्गत इन्वेस्ट यूपी, **संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और यूनाइटेड किंगडम** में वैश्विक रोड शो, गोलमेज (राउंडटेबल) चर्चाएँ और रणनीतिक व्यावसायिक संवाद आयोजित कर रही है। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश की निवेश-अनुकूल नीतियों, क्षेत्रीय क्षमताओं और औद्योगिक तत्परता को वैश्विक दिग्गजों और फॉर्च्यून 500 कंपनियों के समक्ष प्रस्तुत कर, बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश को आकर्षित करना है। इस वैश्विक आउटरीच के तहत **न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को, लॉस एंजेल्स, लंदन, पेरिस, फ्रैंकफर्ट, मिलान, एम्स्टर्डम और बर्मिंघम** जैसे प्रमुख शहरों में उच्च स्तरीय बी2जी (बिजनेस-टू-गवर्नमेंट) बैठकें और गोलमेज चर्चाएँ आयोजित की जाएँगी।

भारतीय दूतावासों तथा यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल **(यूएसआईबीसी),** भारतीय उद्योग परिसंघ **(सीआईआई)** और भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ **(फिक्की)** जैसे प्रमुख व्यापार संघों के सहयोग से आयोजित इन कार्यक्रमों का उद्देश्य वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के निर्णय निर्माताओं के साथ उत्तर प्रदेश की भागीदारी को सुदृढ़ करना है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में, उत्तर प्रदेश विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी कंपनियों के साथ संवाद स्थापित करेगा— परिधान क्षेत्र: **पीवीएच कॉर्पोरेशन, राल्फ लॉरेन, कोच डिजिटल एवं क्लाउड सेवाएँ: गूगल, अमेज़न वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस), माइक्रोसॉफ्ट अज्योर, ओरेकल क्लाउड डेटा सेंटर: इक्विनिक्स, स्टैक इन्फ्रास्ट्रक्चर उपभोक्ता वस्तुएँ एवं विनिर्माण: स्केचर्स, मैटल, टॉम्स, जैक्स पैसिफिक**

इस पहल का उद्देश्य रणनीतिक साझेदारियों को बढ़ावा देना, संयुक्त उद्यमों की संभावनाओं का अन्वेषण करना और उत्तर प्रदेश को वैश्विक उत्पादन श्रृंखलाओं के लिए एक प्रतिस्पर्धी विकल्प के रूप में स्थापित करना है।

इसी प्रकार, यूरोप और यूनाइटेड किंगडम में इन्वेस्ट उत्तर प्रदेशनिम्नलिखित क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों से संवाद करेगा— **ऑटोमोबाइल: बीएमडब्ल्यू, बॉश, कॉन्टिनेंटल रसायन: बीएएसएफ, एवोनिक, अक्ज़ोनोबेल नवीकरणीय ऊर्जा: एसएमए सोलर, शेल लक्ज़री फैशन एवं फुटवियर: प्राडा, गुच्ची, वर्साचे, जिओक्स खिलौने: लेगो, हैमलीज़ खाद्य प्रसंस्करण: यूनिलीवर, डियाजियो, टेट एंड लाइल जीवन विज्ञान: जीएसके (ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन), ऐस्ट्राज़ेनेका, स्मिथ एंड नेफ्यू**

उत्तर प्रदेश सरकार के **मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह** ने कहा, "उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास के एक परिवर्तनकारी चरण से गुजर रहा है, जो **माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ** के स्पष्ट दृष्टिकोण और निर्णायक नेतृत्व से संचालित है। हम एक व्यापक रणनीति को लागू कर रहे हैं, जिसमें क्षेत्र-विशिष्ट औद्योगिक नीतियाँ, समयबद्ध अनुमतियाँ और व्यापार सुगमता के लिए निरंतर सुधार शामिल हैं। विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और सबसे बड़े उपभोक्ता आधार के साथ, ये पहल उत्तर प्रदेश को घरेलू और वैश्विक—दोनों निवेशकों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित कर रही हैं। हमारा उद्देश्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि दीर्घकालिक मूल्य श्रृंखलाओं का निर्माण और समावेशी, रोजगार-संचालित सतत विकास को प्रेरित करना है।"

इस पहल के साथ उत्तर प्रदेश, प्रमुख विनिर्माण क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए अपनी क्षेत्र-विशिष्ट नीति प्रोत्साहनों का सक्रिय रूप से लाभ उठा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में ₹3,700 करोड़ का निवेश प्रस्ताव एचसीएल-फॉक्सकॉन ओएसएटी (OSAT) सुविधा को आगे बढ़ाता है, जो राज्य की सेमीकंडक्टर महत्वाकांक्षाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्य एक पीएम मित्र (PM MITRA) मेगा टेक्सटाइल पार्क और सिंथेटिक, रक्षा एवं चिकित्सा वस्त्रों पर केंद्रित दस मिनी टेक्सटाइल पार्कों के माध्यम से अपनी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को भी सुदृढ़ कर रहा है। ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) पारिस्थितिकी तंत्र, ईवी नीति 2023 के अंतर्गत तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है, जिसका लक्ष्य 2028 तक 36 गीगावॉट-घंटा (GWh) बैटरी उत्पादन क्षमता प्राप्त करना है।

इसी दौरान, नोएडा-ग्रेटर नोएडा भारत के अग्रणी डेटा सेंटर हब के रूप में उभर रहा है, जहाँ एक एकीकृत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) सिटी की योजना भी प्रगति पर है।

33 से अधिक सेक्टर-विशिष्ट नीतियों, तेज अनुमोदन प्रणाली और सुगम सिंगल विंडो पोर्टल (निवेश मित्रा के फलस्वरूप, उत्तर प्रदेश ने 2024-25 में भारत में सबसे अधिक नई फैक्ट्री रजिस्ट्रेशन दर्ज कीं, जो राज्य में बढ़ते निवेश विश्वास को दर्शाता है।

वैश्विक पहुंच, प्रगतिशील नीतिगत पहलों और बुनियादी ढांचे की तत्परता के समन्वय से उत्तर प्रदेश 'चाइना+1' रणनीति का लाभ उठाने और भारत के अगले प्रमुख विनिर्माण एवं नवाचार केंद्र के रूप में उभरने की दिशा में सशक्त रूप से अग्रसर है।